ढूंढते रह जाओगे

अच्छी बात
21 वी सदी का दुनिया।।

सहरों में इस्कूल को,
रास्तों में धूल को,
कांटो में फूल को,
लोगो मे उसूल को,
ढूंढते रह जाओगे।

नेता में सच्चाई को,
दूध में मलाई को,
आशिक में वफाई को,
दुनियां में भलाई को,
ढूंढते रह जाओगे।

देवता में राम को,
खुशिया भरी सामको,
प्यार के पैगाम को,
ईश्वर के नाम को,
ढूंढते रह जाओगे।

सुर में साज को,
सफलता के राज को,
वख्त की आवाज को,
औरतों में लाज को,
ढूंढते रह जाओगे।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28485/title/dhundte-reh-jaoge

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |